कोटद्वार, शनिवार
27 जुलाई 2024
वर्षः 46
अंकः 93 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

हत्या के प्रयास के दोषी को दस वर्ष की कठोर कारावास

विकासनगर। शासकीय अधिवक्ता नरेश बहुगुणा ने बताया कि सतीश कुमार निवासी हाजपुर खुर्द सोनीपत हरियाणा ने विकासनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। घटना के मुताबितक सतीश कुमार के बेटे विवेक उर्फ विक्की को उनका पडोसी गुरुदयाल ज्योतिषी के पास विकासनगर लाया था। आरोप था कि यहां उसने विकासनगर में पुल नंबर दो पर बेटे को जान से मारने की नीयत से उसकी पीठ पर गोली मार दी थी और वहां से मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने विवेक के पिता को इसकी जानकारी दी थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले में अपर सत्र न्यायाधीश विकासनगर नंदन सिंह की अदालत में सुनवाई चल रही थी। सबूतों और गवाहों को सुनकर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार दिया है। शुक्रवार को कोर्ट ने दोषी को दस साल के कठोर कारावास और चालीस हजार जुर्माने की सजा सुनवाई। जुर्माना अदा न करने पर उसे दो साल और कारावास की सजा भुगतनी पडेगी।

आर पार की लड़ाई की तैयारी में राज्य निगम कर्मचारी

देहरादून। लंबे समय से लंबित मांगों के निस्तारण को लेकर राज्य निगम कर्मचारी महासंघ ने आर पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। निगम कर्मचारियों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए राज्य कर्मियों की तरह सभी सुविधाएं सुनिश्चित कराने की मांग की। महासंघ की शुक्रवार को एमडीडीए में हुई बैठक में निगम कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो के गठन की मांग की। महासंघ की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष सूर्यप्रकाश राणाकोटी ने कहा कि निगम कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं को शासन स्तर पर बेहद हल्की तरह लिया जाता है। राज्य कर्मियों को सभी लाभ समय पर दिए जाते हैं। निगम कर्मचारियों को महंगाई भत्ते, मकान किराया भत्ते, पदोन्नति, एसीपी समेत हर मांग के लिए जूझना होता है। अब इस भेदभाव को सहने की स्थिति में निगम कर्मचारी नहीं हैं। जो भी आदेश राज्य कर्मियों के लिए जारी हो, उसे तत्काल निगम कर्मियों पर भी लागू किया जाए। कहा कि निगमों में 10 साल से संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को नियमित किया जाए। संविदा कर्मचारियों को लेकर आए हाईकोर्ट के आदेश को लागू करते हुए नियमितीकरण का लाभ दिया जाए।

आज समाप्त होंगे पंचक, लाखों डाक कांवड़ियों ने जमाया डेरा

हरिद्वार। धर्मनगरी में चारों तरफ शिवभक्तों की भीड़ नजर आ रही है। कांवड़ पटरी से पैदल जाने वाले शिवभक्त रवाना हो रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में डाक कांवड़ियों ने भी धर्मनगरी डेरा डाल दिया है। शनिवार से पंचक भी समाप्त हो रहे हैं। इसके बाद और अधिक भीड़ बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बार पंचक खत्म होने से पहले ही गुरुवार को लाखों डाक कांवड़िए पहुंच गए हैं। बैरागी कैंप में बड़े–बड़े वाहन पहुंचने शुरू हो गए हैं। हर तरफ बम–बम भोले के जयकारों की गूंज से शहर शिवमय हो गया है। हाईवे समेत शहर के अंदरूनी मार्गों पर भी कांवड़ियों की भीड़ नजर आ रही है। कांवड़ पटरी और हाईवे पर पैदल जाने वाले शिवभक्तों की तेजी से वापसी हो रही है। बड़ी संख्या में बड़े वाहनों से पहुंचने वाले शिवभक्तों की संख्या में इजाफा हो गया है।

पठानकोट में फिर संदिग्ध आतंकी देखें जाने के बाद दहशत

श्रीनगर पंजाब के पठानकोट में कुछ संदिग्ध देखे गए हैं, जिसकों लेकर इलाके में सर्च आप्रेशन किया जा रहा है। वहीं जम्मू इलाके में सेना हाई अलर्ट पर है और यहां पूरी तरह से चौकसी बरती जा रही है। दरअसल, पंजाब के पठानकोट जिले में कुछ संदिग्ध देखे गए हैं। एक महिला की ओर से सेना को यह सूचना दी गई जिसे गंभीरता से लेते हुए जम्मू में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। वहीं एहतियात के तौर पर जम्मू में आर्मी स्कूल शनिवार तक बंद कर दिए गए हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से कई सारे कदम उठाए जा रहे हैं।

ढाबे वाले नाम बताए, यह केंद्र का कानून

सुप्रीम कोर्ट ने कहा— आप जवाब दायर करें फिर हम विचार करेंगे

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकान लगाने वाले मालिकों और उनके कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने पर रोक जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक आदेश आगे बढ़ा दिया है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। इस दौरान उत्तराखंड और मध्य प्रदेश को याचिका का जवाब दाखिल करने के लिए समय देते हुए दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने पर रोक अगले आदेश तक जारी रखी है। हालांकि, सुनवाई के दौरान जब दुकानदारों के स्वेच्छा से नाम प्रदर्शित करने की बात चली तो कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर कोई स्वेच्छा से नाम प्रदर्शित करता है तो उसकी मनाही नहीं है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग में पड़ने वाली दुकानों के मालिकों और कर्मचारियों के नाम उजागर करने के पुलिस और सरकार के आदेश की कोर्ट में जोरदार तरफदारी की। उत्तर प्रदेश की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि दुकानदार का नाम प्रदर्शित करना गलत नहीं है, यह कानूनन जरूरी है। केंद्रीय कानून खाद्य एवं सुरक्षा मानक अधिनियम में लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कराने वालों को नाम उजागर करना आवश्यक है। रोहतगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने याचिका का जवाब दाखिल कर दिया है। कोर्ट में मामले की सोमवार को सुनवाई कर ली जाए क्योंकि कांवड़ यात्रा सिर्फ दो सप्ताह की है, उसके बाद मामला महत्वहीन हो जाएगा।

यूपी को छोड़ किसी राज्य ने नहीं दाखिल किया जवाब

नेमप्लेट लगाने का विरोध करने वाले याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सिर्फ उत्तर प्रदेश ने जवाब दाखिल किया है, वह भी रात में 10:30 बजे दाखिल किया है। बाकी राज्यों ने अभी जवाब नहीं दिया है।

कांवड़ियों से गुलजार हुआ नेशनल हाईवे

रुड़की(आरएनएस)। जैसे–जैसे महाशिवरात्रि का पर्व निकट आ रहा है उसी के साथ नेशनल हाईवे पर कावड़ियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। सुंदर झांकियों तथा भगवान शिव के भजनों पर झूमते हुए शिव भक्त अपने गंतव्य के लिए रवाना हैं। डीजे की आवाजों से पूरा वातावरण शिवमय बना हुआ है। कावड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के अतिरिक्त प्रबंध किए हैं। महाशिवरात्रि का पर्व आगामी दो अगस्त को मनाया जाना है। भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए सैकड़ो किलोमीटर की पैदल यात्रा कर शिव भक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य को रवाना हैं। इसके साथ ही विभिन्न कांवड़ समूह एक से बढ़कर एक सुंदर झांकी के रूप में कावड़ लेकर भगवान शिव की आराधना करते हुए चल रहे हैं। जिन्हें देखने व सुनने के लिए सड़क के दोनों और काफी संख्या में लोग जमा हो जाते हैं। शुक्रवार को नेशनल हाईवे पर कावड़ियों की संख्या बढ़ना शुरू हुई है।

शराब पीने से टोका तो बेटे ने कर दी मां की हत्या

• बीरोंखाल विकासखंड के अंतर्गत छाछीरौं गांव की घटना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड बीरोंखाल के अंतर्गत छाछीरौं गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां शराब पीने से टोकने पर एक बेटे ने अपनी मांग की हत्या कर दी।

30 साल का अनिल ढौंडियाल गुरुवार रात शराब के नशे मे धुत होकर आया था। मां रामेश्वरी देवी ने इस पर नाराजगी जताई तो झगड़ा करने लगा। इसी दौरान उसने जलाने की लकड़ी से अपनी मां के सिर पर वार कर दिया। इससे मां की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी क्षेत्र में ठेकेदारी करता है। शराब पीने के बाद अक्सर लोगों से बहसबाजी पर उतर जाता था, इसलिए लोग ऐसी स्थिति में उससे दूरी बना कर रखते थे। आरोपी के पड़ोसियों ने बताया कि गुरुवार की शाम

अपने घर जाने से पहले वह उनके घर आया था और उनसे झगड़ने लगा। जब उसे समझा-बुझा घर जाने को कहा तो वह धमकी देते हुए चला गया कि अभी तो वह जा रहा है कि लेकिन वह रात को वापस आकर उन्हें सबक सिखायेगा। वहीं पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसकी मां ने घर में काफी दिनों से दही जमा रखी थी जो खराब थी। उसने मां से दही नहीं मथने पर गुस्सा किया। वह भड़क गया और गाली गलौच करने लगा। इस पर मां ने विरोध करते हुए शराब पीकर बकबास ना करने की चेतावनी दी। जिससे गुस्साए नशे में धुत आरोपी ने लकड़ी उठाकर मां पर ताबड़तोड़ वार कर दिये। इस दौरान बीच-बचाव कर रही उसकी पत्नी और बच्ची भी चोटिल हो गयी। जबकि, सिर पर चोट लगने से मां की मौत हो गई। आरोपित ने मृत मां के शव को किचन में डाल दिया और शुक्रवार को घर से भागकर बस पकड़ने के लिए जाने लगा, लेकिन तब तक गांव के कुछ लोग उसे पकड़कर घर ले आए। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है।

कारगिल की विजय गाथा उत्तराखंड के वीरों के बिना अधूरी : धामी

• कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने की चार घोषणाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) पर गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कारगिल शहीदों के परिवारजनों को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल की यह विजय गाथा भी उत्तराखंड के वीरों के बिना अधूरी है और अपने 75 सपूतों का बलिदान ये वीर भूमि कभी नहीं भुलाएगी। जिस सांस्कृतिक परिवेश और विचारों ने हम सभी को पोषित किया है, उस संस्कृति में मान्यता है कि देश भक्ति सभी प्रकार की भक्तियों में सर्वश्रेष्ठ है।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, विधायक श्रीमती सविता कपूर, बृज भूषण गैरोला और निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा ने भी शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने चारघोषणाएं की। उन्होंने घोषणा की कि राज्य में शहीद सैनिकों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान राशि 10 लाख रूपये से बढ़ाकर 50 लाख रूपये की जायेगी। शहीद सैनिक के परिवारजनों को सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने की अवधि को 02 साल से बढ़ाकर 05 साल किया जायेगा। शहीदों के आश्रितों को अब जिलाधिकारी कार्यालयों में समूह 'ग' और समूह 'घ' के अलावा अन्य विभागों में भी समूह 'ग' और समूह 'घ' के पदों पर नियुक्ति प्रदान की जायेगी। सैनिक कल्याण विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों को उपनल कर्मियों की भांति अवकाश प्रदान किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध में माँ भारती की रक्षा के लिये हमारे वीर जवानों ने पराक्रम और अदम्य साहस का परिचय दिया। भारतीय सैनिकों ने कारगिल युद्ध में जिस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों में वीरता का परिचय देते हुए घुसपैठियों को सीमा पार खदेड़ा, उससे पूरे विश्व ने भारतीय सेना का लोहा माना। कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। कार्यक्रम में सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी, मेजर जनरल सम्मी सबरवाल (से.नि), लेफ्टिनेंट जनरल अश्वनि कुमार (से.नि), मेजर जनरल के.एस राणा (से.नि), ब्रिगेडियर कीर्ति बहल (से.नि), ब्रिगेडियर हरीश सेट्ठी (से.नि), निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृत लाल (से.नि), एमडी उपनल ब्रिगेडियर जे.एस. बिष्ट (से.नि), जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, एसएसपी देहरादून अजय सिंह एवं अन्य सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक और शहीदों के परिवार जन उपस्थित थे।

अग्निपथ योजना पर विपक्ष के दावों की पीएम मोदी ने खोली पोल

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अग्निपथ योजना पर विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि वे देश की रक्षा और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े एक संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने द्रास (लद्दाख) में कारगिल युद्ध स्मारक का दौरा करने के बाद ये बात कही। उन्होंने विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ मनाई और 1999 के युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के बाद उन्होंने कहा, अग्निपथ योजना हमारे रक्षा बलों के लिए आवश्यक है। दशकों से इस बात पर बहस और चर्चा होती रही है कि कैसे सुनिश्चित किया जाए कि सशस्त्र बल युवा रहे और हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहे। एक भारतीय सैनिक की औसत आयु वैश्विक औसत से अधिक है जो एक चिंता का विषय है। विभिन्न समितियों ने इस पर चर्चा की लेकिन किसी भी सरकार ने सही कदम उठाने की जहमत नहीं की। प्रधानमंत्री ने कहा, अग्निपथ योजना के माध्यम से इस मुद्दे को संबोधित किया गया। इस योजना का मकसद सेना को युवा और युद्ध के लिए तैयार रखना है। पीएम मोदी ने योजना पर राजनीति करने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, कुछ लोग अपने निजी लाभ के लिए इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो विभिन्न रक्षा–संबंधी घोटालों में शामिल थे और हमारी सेनाओं को कमजोर किया। वे कभी नहीं चाहते थे कि वायुसेना को आधुनिक लड़ाकू विमान मिलें।

देहरादून के आईटीबीपी इंस्पेक्टर हिमाचल में चीन सीमा पर शहीद

देहरादून। उत्तराखंड का एक और बहादुर बेटा देश की सेवा करते हुए भारत–चीन बॉर्डर पर शहीद हो गया है। देहरादून निवासी आईटीबीपी निरीक्षक चन्द्र मोहन सिंह भारत–चीन सीमा पर एक सामरिक महत्व के क्षेत्र मे विशिष्ट पैट्रोलिंग के दौरान वीर गति को प्राप्त हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, 25 जुलाई को एक विशेष सूचना पर शॉर्ट–रेंज पेट्रोलिंग के दौरान एलएसी के पास भारत की अग्रिम चौकी से आगे करग्युपा नाला पार करते वक्त निरीक्षक चन्द्र मोहन सिंह साथियो के लिए अस्थाई ब्रिज बनाकर और अपने साथियों को नाला क्रॉस कराते समय गिर गये और पानी के बहाव में बह गये।

इस दौरान 100 मीटर की दूरी पर भारत की अग्रिम चौकी के आईटीबीपी द्वारा उन्हें बचाया गया। पास के आर्मी अस्पताल सूमड़ो में इलाज हेतु भर्ती कराया गया, जहां पर ईलाज के दौरान वह शहीद हो गए। चन्द्र मोहन सिंह के निधन से आईटीबीपी शोक की लहर दौड़ गई है। निरीक्षक चन्द्र मोहन (55 वर्ष) देहरादून में डोईवाला तहसील स्थित दुर्गा चौक, जौली ग्रांट के रहने वाले हैं। चन्द्र मोहन भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल में 1987 में बतौर कांस्टेबल (जीडी) के पद पर भर्ती हुए थे , वर्तमान में वे निरीक्षक (जीडी) के पद पर तैनात थे।

सेवा के दौरान ग्रहण किए गए अनुभवों से इस बल में अपने अधीन पदाधिकारियों को समय–समय पर मार्गदर्शित किया। इस अवधि के दौरान जिस मेहनत, लग्न एवं उच्च कोटि की व्यवसायिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए अपनी ड्यूटी का निर्वाह किया है, उससे निःसन्देह बल उनकी सेवाओं को भुला ना सकेगा। वाहिनी में तैनाती के दौरान इन्होंने अपनी ड्यूटियों के अतिरिक्त अन्य सौंपी गई ड्यूटियों को समय समय पर बड़ी मेहनत लग्न एवं उत्कृष्ट कार्यक्षमता के साथ पूर्ण करते हुए अपनी समर्पित और कर्तव्यनिष्ठता के लिए जाने जाते थे।

मार्शल आर्ट में दक्षता के साथ साथ उन्होंने अपने कार्य से देश का नाम रोशन किया था. चन्द्र मोहन सिंह अंतिम संस्कार गृह निवास जौली ग्रांट, देहरादून में संपन्न किया जाएगा।

बंगाल विभाजन की बात पर लोकसभा में विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के बंगाल विभाजन से संबंधित बयान पर शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष ने भारी हंगामा किया, जिसके बाद कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसी दौरान भाजपा सदस्यों ने भी कर्नाटक में भ्रष्टाचार से जुड़े एक मुद्दे पर हंगामा किया।

कल्याण बनर्जी ने भाजपा पर लगाया आरोप

प्रश्नकाल के बाद स्पीकर ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस सदस्य कल्याण बनर्जी को अपनी बात रखने का अवसर दिया। बनर्जी ने केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्यमंत्री सुकांत मजूमदार के एक बयान का उल्लेख करते हुए बंगाल को बांटने का षड्यंत्र बताया। इसपर स्पीकर ने कहा कि मंत्री ने सदन में ऐसा बयान नहीं दिया है। सदन से बाहर के बयान पर यहां चर्चा नहीं होगी। स्पीकर के मना करने के बाद कल्याण ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के सदन में एक दिन पहले दिए गए बयान का हवाला देते कहा कि ऐसा बयान उन्होंने सदन में ही दिया था। दरअसल, दुबे ने गुरुवार को बंगाल के मालदा एवं मुर्शिदाबाद, बिहार के अररिया, किशनगंज, कटिहार और झारखंड के संताल परगना को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने की बात कही थी। मजूमदार ने भी दो दिन पहले सदन के बाहर बयान दिया था कि उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए उत्तर पश्चिम बंगाल को पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के अंतर्गत शामिल करने का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया है।

हिमाचल में आने वाले 2 करोड़ पर्यटकों को लगेगा झटका

शिमला , हिमाचल में हर साल आने वाले करीब 2 करोड़ पर्यटकों को अब पर्यावरण टैक्स देना पड़ सकता है। हिमाचल हाई कोर्ट ने सरकार को इस मामले में विशेष कार्यबल का गठन करने के आदेश दिए हैं। साथ ही हिमाचल में आने वाले पर्यटकों को भी आदेश दिआ है कि वो हिमाचल आखर गंदगी ना फैलाएं और अपने साथ कैरी बैग रखें। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने कहा है कि हिमाचल सरकार सिक्किम और भूटान की तर्ज पर पर्यावरण पर्यटकों से पर्यावरण टैक्स वसूले। हिमाचल में हर साल औसतम डेढ़ करोड़ पर्यटक आते हैं और खासतौर पर गर्मियों की छुट्टियों और साल के अंत में हिमाचल के बड़े पर्यटन स्थल शिमला, मनाली, कुल्लू, धर्मशाल और मैक्लोडगंज में भारी भीड़ रहती है। इसके अलावा हिमाचल में धार्मिक टूरिज्म पर भी लाखों लोग आते हैं। हिमाचल में मां चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, चामुंडा देवी, ब्रीजेश्वरी देवी और नैना के मंदिरों के अलावा बैजनाथ में भगवान शिव का मंदिर है, इन मंदिरों के अलावा कई ऐतिहासिक मंदिर भी हिमाचल में हैं। जहां पर्यटक हर साल आते हैं। पर्यटन हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह राज्य की जीडीपी में एक बड़ा योगदान देता है और स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार का एक प्रमुख स्रोत है।

मुख्य सचिव ने ई—ऑफिस पोर्टल पर फाइलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड सचिवालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि ई–ऑफिस पोर्टल पर फाइलों की समीक्षा, प्रसंस्करण एवं संचरण को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए फाइलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। सीएस रतूड़ी ने कहा है कि पत्रावलियां के लंबित रहने की प्रथा किसी भी विभाग/संस्था के कुशल संचालन को प्रभावित करती है एवं जनहित से संबंधित कार्यां में विलम्ब होता है। मुख्य सचिव ने प्रोटोकॉल के अनुसार निर्धारित समय–सीमा पर फाइलों के निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय सामान्य प्रशासन विभाग को लंबित फाइलों की स्थिती की निगरानी के लिए एक दैनिक समीक्षा तंत्र स्थापित करने हेतु कार्ययोजना जल्द बनाने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय प्रशासन विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि फाइलों के निस्तारण में अनावश्यक रूप से देरी न हों। फाइलों के निस्तारण में अनुचित देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के

विरूद्ध उचित कार्यवाही की जायेगी जिसमें अनुशासनात्मक उपाय भी शामिल हो सकते हैं। उत्तराखण्ड सचिवालय प्रशासन द्वारा फाइलों के निस्तारण की स्थिति पर मुख्य सचिव के समक्ष साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने फाइलों के शीघ्र निस्तारण को सुविधाजनक बनाने के लिए पूर्व की भांति सभी संबधित अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ई–ऑफिस पोर्टल के कुशल उपयोग के प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने फाइलों के शीघ्र निस्तारण एवं ई–ऑफिस को यूजर फ्रेण्डली बनाने हेतु तकनीकी रूप से ई–ऑफिस पोर्टल में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सुझावों पर यथोचित सुधार करने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने इस सम्बन्ध में सभी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

गढ़वाल में भारी बारिश से तबाही, देहरादून में स्कूल बंद, मद्महेश्वर में फंसे यात्रियों का रेस्क्यू जारी

देहरादून। प्रदेश में मानसून की वर्षा का दौर जारी है। ऐसे में मौसम विभाग ने शुक्रवार को देहरादून और बागेश्वर में कहीं–कहीं भारी से भारी वर्षा होने का अनुमान जताया है। इसके लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

अल्मोड़ा, चंपावत व ऊधमसिंह नगर में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम गति अथवा गरज के साथ वर्षा हो सकती है। पौड़ी व चमोली में भी कहीं–कहीं एक–दो दौर तेज वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को मद्देनजर रखते हुए देहरादून में आज यानी शुक्रवार को 12वीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

देहरादून और बागेश्वर भारी बारिश की चेतावनीः प्रदेशभर में वर्षा का दौर जारी है। पिछले 12 घंटे में कुमांऊके बागेश्वर और गढ़वाल मंडल के देहरादून, रुद्रप्रयाग व चमोली के कई स्थानों पर भारी वर्षा हो रही है। मसरी में पिछले 12 घंटे में मसूरी में 124 मिमी, आशारोड़ी में 82.5 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ में इस दौरान 130 मिमी, गोविंदघाट में 101 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि अगले आठ से 10 घंटे में देहरादून और बागेश्वर जनपदों के कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। इसे देखते हुए यहां आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। चमोली, रुद्रप्रयाग व पिथौरागढ़ में भी कहीं–कहीं एक से दो दौर तेज वर्षा हो सकती है। इन जनपदों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौमस का यह मिजाज रविवार तक इसी प्रकार बने रहने की संभावना है।

जौनसार बावर में बीस मोटर मार्ग बंदः जगह–जगह भूस्खलन से एक राष्ट्रीय राजमार्ग समेत बीस मोटर मार्ग बंद हो गए हैं। बंद मार्गों में लोनिवि चकराता के 8, पीएमजीएसवाई कालसी के पांच, लोनिवि साहिया के छह, राष्ट्रीय राजमार्ग देहरादून खंड का एक राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। बंद मार्गों के कारण करीब सौ गांवों के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गयी है। दिल्ली यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग लखवाड़ बैंड के पास मलबा आने से बंद है। लोनिवि साहिया का बिजऊ कोफटी जोशी गांव दातनू बड़नू मोटर मार्ग पर दो स्थानों पर मलबा आने के कारण यातायात ठप है। शंभू की चौकी पंजिया बनसार मोटर मार्ग दो स्थानों पर दूसरे दिन भी बंद रहा। काहा नेहरा पुनाहा मोटर मार्ग एक स्थान पर मलबा आने से यतायात बाधित है। शहीद सुरेश तोमर गास्की मोटर मार्ग किमी दस पर मलबा आने से बंद है। यह मार्ग भी गुरुवार से बंद पड़ा है। साहिया समाल्टा पानुवा मोटर मार्ग पर यातायात दूसरे दिन शुक्रवार को भी बाधित रहा। फेडोलानी मलेथा मोटर मार्ग दो स्थानों पर बंद है। पीएमजीएसवाई कालसी के गडोल सकरोल मोटर मार्ग व बोसान बैंड मोटर मार्ग किमी एक पर दूसरे दिन भी बंद रहा। दमन दसऊ मोटर मार्ग, मसराड़ मोटर मार्ग, खारसी खाटुवा मोटर मार्गों पर भी यातायात ठप है। लोनिवि चकराता के रावना पुरोड़ी संपर्क मार्ग नौ जुलाई से बंद है। जबकि टुंगरा मोटर मार्ग बीस जून से बंद पड़ा है। दोनों मार्गों पर अभी तक यातायात सुचारू नहीं हो पाया है।

मद्महेश्वर धाम में फंसे तीर्थ यात्रियों का रेस्क्यू जारीः रुद्रप्रयाम में अस्थाई पुल बहने से मद्महेश्वर धाम में लगभग 50 तीर्थ यात्रियों फंस गए। द्वितीय केदार मद्महेश्वर यात्रा के आधार शिविर बनातोली में मोरखंडा नदी पर बना लकड़ी का अस्थायी पुल नदी की तेज धाराओं में समा गया है। जिस कारण केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग के अनुसार मद्महेश्वर धाम में लगभग 50 तीर्थ यात्रियों सहित स्थानीय व्यापारी फंस गए। मद्महेश्वर घाटी में लगातार हो रही मूसलधार बारिश से मोरखंडा नदी के जल स्तर में निरन्तर वृद्धि देखने को मिल रही है।

हेली से रेस्क्यू : मद्महेश्वर में फंसे यात्रियों को हेली से रेस्क्यू किया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी के निर्देशन पर एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस बल सहित जिला प्रशासन की टीमों को मौके पर रवाना किया गया। जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पूरे रेस्क्यू की निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। हेल्पलाइन नंबर– 8958757335, 01364 233727। जिला प्रशासन की ओर से फूड पैकेट्स भी वितरित किए जा रहे हैं। दोपहर साढ़े 12 बजे तक 51 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है।

संपादकीय

मोबाइल कंपनियों की लूटमार

मोबाइल सेवाओं की दौड़ में उपभोक्ताओं की जमकर जेब काटी जा रही है। देश में मुख्य तौर पर बीएसएनल जिओ एयरटेल और वोडाफोन मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियां बनी हुई है और इन्हीं चंद कंपनियों के इर्द–गिर पूरे देश का मोबाइल नेटवर्क घूम रहा है। निजी कंपनियों ने अपनी सुविधाओं के अनुसार दरें घोषित की है जो काफी महंगी साबित होने लगी है जबकि वहीं बीएसएनएल के सभी प्लान आज भी काफी सस्ते हैं लेकिन बीएसएनल सेवाएंअपनी धीमी सेवा एवं दम तोड़ते नेटवर्क के कारण निजी कंपनियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने में असमर्थ नजर आ रही है। अब से कुछ महीने पूर्व तक मोबाइल टैरिफ को लेकर कोई अधिक विवाद नहीं था लेकिन इधर जिओ ने अपने सभी प्लान में 27% से भी अधिक बढ़ोतरी की तो पूरे मोबाइल नेटवर्क जगत में हंगामा मच गया। एयरटेल और वोडाफोन की दरें तो पहले से ही जिओ के मुकाबले अधिक थी लिहाजा इधर जिओ के टैरिफ प्लान बढ़ते ही ग्राहकों का रुझान एक बार फिर बीएसएनएल की तरह बढ़ा जिसने बेहद कम समय में बीएसएनल को बंपर कनेक्शन उपलब्ध करा दिए। लाखों करोड़ों लोगों ने अपने जियो के सिम बीएसएनल में परिवर्तित (पोर्ट) कर लिए तो उधर उपभोक्ताओं के रुझान को देखते हुए कुंभकरण नींद सो रहा बीएसएनल भी करवट लेकर जागा और उसने न केवल अपने टावरों को बढ़ाने का काम शुरू किया बल्कि टाटा के साथ मिलकर अपनी गुणवत्ता को सुधारने की भी शुरुआत कर दी। एक लंबे समय बाद बीएसएनल को फिर संभलने का मौका मिला है और यदि इस बार बीएसएनल इस अवसर को भुनाने में कामयाब रहा तो हो सकता है की बीएसएनल सरकारी सेवा के पुराने दिन शायद एक बार फिर संवर जाए। लेकिन यहां सबसे बड़ी कमी बीएसएनएल के कर्मचारी की इच्छा शक्ति की है जो लापरवाह हो चुके हैं और काम करने के नाम पर उनके अंदर निजी कंपनियां जैसा उत्साह नजर नहीं आता। इधर निजी मोबाइल प्रदाता भी यह समझ चुके है कि अपनी मर्जी की दरें उपभोक्ताओं पर नहीं थोपी जा सकती खास तौर से उन परिस्थितियों में जब पहले से ही एक सरकारी सेवा काफी कम दरों पर मोबाइल सेवाएं प्रदान कर रही हैं। मोबाइल उपभोक्ताओं को लूटने का काम निजी कंपनियों ने टैरिफ की सीमा अवधि को महीने से घटकर 28 दिन करने से ही शुरू कर दी थी तो वहीं आज भी कोई भी प्लान ऐसा उपभोक्ताओं के लिए नहीं उतारा गया है जिसमें केवल बात करने की ही सुविधा मिल सके। सभी टैरिफ में इंटरनेट सेवा को जोड़ा गया है जबकि करोड़ों लोग आज भी ऐसे हैं जो इंटरनेट का प्रयोग नहीं करते और उन्हें न चाहते हुए भी ऐसे टैरिफ लेने पड़ते हैं जिनमें इंटरनेट सुविधा हैं। उपभोक्ताओं को भी अब समझ में आ चुका है कि जो सेवाएं निजी कंपनियों से ले रहे हैं उसके बदले में कहीं अधिक कीमत चुका रहे हैं।

अंध विश्वास का दंश झेलता समाज

*अशोक शर्मा

अभी कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक धार्मिक सभा में हुई भगदड में 120 से ज्यादा लोगो की मौत हो गई । इस घटना से फिर से इस बहस को छेड दिया है कि क्या भारत में शोषण कारी धार्मिक एवं अंधविश्वासी प्रथाओ से निपटने के लिए पर्याप्त नियम एवं कानून है और यदि हैं तो क्या वे सभी तरह की कुप्रथा, अंधविश्वास एवं अन्य भ्रांतिपूर्ण धार्मिक विचारधाराओ पर लगाम लगाने और इससे पीड़ति लोगों को न्याय दिलानें में सक्षम हैं।

कई विशेषज्ञों ने इस विषय में अपनी राय रखी है कि अंधविश्वास, काला जादू, जादू टोना और अन्य सभी प्रकार की अमानवीय एव असामाजिक प्रथाओं एवं मान्यताओं से सुचारू एवंम प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय कानून हो । महाराष्ट्र एवं कर्नाटक में इस तरह के कानून पहले से लागू है। विशेषज्ञों एवं कई संस्थाओं ने इसी तर्ज पर एक राष्ट्रीय कानून की वकालत की है। पिछले कई दशकों से कई संस्थाए एव संगठन अंधविश्वासी प्रथाओं से निपटने के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने की मांग कर रहे हैं।

पहले तो हमें यह जानने की जरूरत है कि भारत में इन अधविश्वासी प्रथाओं की रोकथाम एवं उनसे निपटने के लिए क्या कानून हैं और क्या मौजू दा कानून और आपराधिक कानू नों के प्रावधान इनसे निपटने के के लिए पर्याप्त हैं। मौजूदा आपराधिक कानून में ऐसी प्रथाओं को केद्रिंत करके कोई ठोस एवं और प्रतिबद्ध प्रावधान नहीं है। नतीजतन पुलिस विभाग एवं पुलिस अधिकारी अक्सर पाखंडी बाबाओं की धोखाधड़ी एवं आपराधिक गतिविधियो के खिलाफ मामले दर्ज करने में कोई रुचि नहीं दिखाते है एवं ज्यादातर अनिच्छुक ही रहते है। हालांकि आपत्तिजनक विज्ञापन अधिनियम मौजूद है, परंतु इसमें बहुत सारी खामियों है। इसलिए, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक राज्यों जैसा कानून पूरे देश में लागू करने की माँग भी कई फोरम के माध्यम से उठी है।

कानून में एक स्पष्ट परिभाषा न होने के कारण धार्मिक प्रथाओं एव धार्मिक अंधविश्वास में भेद करना मुश्किल हो जाता है। अंधविश्वास की एक ऐसी परिभाषा जो सबको स्वीकार्य हो शायद ये संभव ना हो। लेकिन इसकी परिभाषा इतनी कठोर जरुर होनी चाहिये जिससे प्रथा का दुरुपयोग किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए न हो सके। हांलांकि इस पर और भी विस्तृत बहस की जा सकती है। प्रायः ये देखा गया है कि राज्य सरकार स्थानीय आबादी की संस्कृति एवं परंपराओ के प्रति ज्यादा संवेदनशील एवं संजग रहती हैं। भारत में राज्यों की विविधताओं को देखते हुए ,क्या एक राष्टीय कानून लागू करना व्यवहारिक होगा? क्योकि ऐसा कानून विभिन्न राज्यों में प्रचलित धार्मिक अंधविश्वासों एवं प्रथाओ को समावेशित नही कर पाएगा और जाने अनजाने में प्रताड़ित व्यक्ति, समूह को न्याय नहीं मिल पाएगा। इसके विपरीत यह पहले से ही शक्तिशाली व्यक्तियों एव समू हों को और शक्तिशाली बना सकता है जो अंधविश्वास के नाम पर भोली भाली जनता के साथ ठगी एवं खिलवाड करते हैं। तो क्या राज्य विशेष कानून बनाना ज्यादा हितकर होगा क्योंकि वे स्थानीय वास्तविकताओं,मान्यताओं एवं प्रथाओं के के अनुरूप होंगे? इसका एक समाधान ये हो सकता है कि राष्ट्रीय कानून बनाने के बाद, विभिन्न राज्यो की स्थानीय संस्कृति, प्रथाओं एवं मान्याताओं के अनुरूप इसमे संशोधन कर सकते है। संशोधन करके अतिरिक्त धाराएं जोड़ी जा सकती है और परिभाषा को और परिभाषा को और राज्य केंद्रित एव व्यवहारिक बनाया जा सकता है। इससे यह कानून और प्रभावी सिद्ध होगा। लेकिन केवल कानून बना देने से समस्या को हल नही होगा।

प्रायः कानून लागू करने वाली एजेंसियों में इस तरह के मामलों मे संवेदनशीलता की भारी कमी देखी गयी है। पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अक्सर सास्कृतिक संवेदनशीलता एवं पूर्वाग्रहो के कारण विभिन्न धार्मिक प्रथाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नही देख पाते । ऐसे मामलो में पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के लिए राजी करने के लिए भी काफी प्रयास की आवश्यकता होती है।और अगर रिपोर्ट दर्ज भी हो जाए तो अक्सर राजनीतिक प्रभाव एवं दखलंदाजी के कारण जाँच प्रभावित होती हैं जिससे सजा की दर बहुत कम होती है। इसके अलावा, जातिगत भेदभाव अंधविश्वास का एक ऐसा पहलू है जिसको अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इसलिए सबसे जरूरी है कि पुलिस महकमे के सभी स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऐसे मामलो के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाए क्योंकि प्रथमद्रष्टया वे ही इन पर प्रतिक्रिया देते है और कार्यवाही करते है। एक विचार ये भी है कि इस तरह के कानून भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धर्म को अबाध रूप से मानने एव आचरण करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। इसलिये हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ये कानून सार्वजनिक हितों की रक्षा भी भी करे और संविधान की कसौटी पर भी खरा उतरें। ये ध्यान देने योग्य बिंदु है कि अनुच्छेद 25 के तहत धर्म की स्वतंतता ; लोक व्यवस्था, सदाचार और नैतिकता के हित मे लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन ही है।जैसा कि जस्टिस आनील्ड ने 1862 में बाम्बे हाईकोर्ट में महाराजा लिबल केस में कहा था " जो नैतिक रूप से गलत है वह धार्मिक रूप से सही नही हो सकता" । इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि धार्मिक विश्वास किसी को ऐसा करने की अनुमति देता है जो नैतिक रूप से स्वीकार्य नहीं है। अतः शोषणकारी धार्मिक प्रथाएं स्वाभाविक रूप से मौलिक अधिकारों का उल्लघंन करती है। जैसे कि अस्पृश्यता के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार, जीने का अधिकार ।

कानूनों के लिए सिर्फ़ दंडात्मक प्रकृति के बजाय सुधारात्मक उपायों को प्राथमिकता देना ज़रूरी है। उदाहरण के लिए, अध्ययनों से पता चला है कि झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में डायन–हंटिंग की शिकार महिलाएं एवं उनके परिजन अक्सर सामाजिक बहिष्कार झेलते हैं, जिससे ज़रूरी संसाधनों और सेवाओं तक उनकी पहुँच सीमित हो जाती है। ऐसे अपराधों के पीड़ितों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों को लागू करने के मामले में राजनीतिक संकल्प की कमी उल्लेखनीय है। विशेषकर आदिवासी जिलों में डायन–हंटिंग एक गंभीर समस्या बनी हुई है, जहाँ सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों की महिलाओं को अक्सर निशाना बनाया जाता है। भारत की आबादी में आदिवासी समुदायों की हिस्सेदारी लगभग 8% होने के बावजूद, डायन–हंटिंग के पीड़ितों के लिए समर्पित कल्याणकारी योजनाएँ लगभग ना के बराबर हैं।इस असमानता को दूर करने के लिए, सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, स्कूली शिक्षकों और जिला मजिस्ट्रेटों एवं अन्य प्रमुख सम्बन्धित लोगों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। इससे वे सहायता मांगने वाले पीड़ितों को प्रभावी ढंग से सहायता और निवारण प्रदान करने में सक्षम होंगे। इसके अतिरिक्त ऐसी कुप्रथाओं से पीड़ति लोगों के लिए पीड़ति सहायता कोष बनाने की जरुरत है ताकि उनकी शीघ्रकालिक एवं दीघ्रकालिक आर्थिक मदद की जा सके। एक बहुत दिलचस्प बात ये है कि के आज के वैज्ञानिक युग में भी हमारे देश मे स्वयंम्भू बाबाओ के भक्तो की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ रही है।

बड़ी संख्या में लोग इन बाबाओ के चंगुल में फंस रहे है। इसमें अनपढ़ ही नही बल्कि सामान्य पढ़े लिखे एवं उच्च शिक्षित लोगों की भी एक बड़ी तादाद है।

इस पर विचार करना जरूरी है कि इतनी बड़ी संख्या मे लोगो के मन में ऐसी क्या असुरक्षा की भावना है कि वे धार्मिक अंधविश्वास के कुचक्र का शिकार हो रहे है।

अब हाथरस के भोले बाबा का ही उदाहरण ले लीजिए जो कि एक भूतपूर्व पुलिस कांस्टेबल है और चमत्कारी शक्तियों का दावा करता है। उसकी सभाओ में लाखों लोगों की भीड़ जुटती है। उसके अनुयायियों में समाज के निचले तबके से लेकर सभी वर्गों के लोग शामिल हैं। हमें उपर्युक्त सभी को एक बड़ी सामाजिक समस्या के रूप मे देखना होगा और इसके मूल कारण का पता लगाना होगा।

प्रायः लोग धार्मिक अधविश्वास को अपनी व्यक्तिगत एवंम पारिवारिक समस्याओ का समाधान मानने लगते है। इसी बात का पाखंडी बाबा फायदा उठाते है और उनको छोखा देते है। तर्क एवं विज्ञान को ताक पर रखकर अंधविश्वास की ओर झुकाव का जैसे चलन सा हो गया है। जनमानस को ऐसी मानसिकता से बाहर निकलना होगा और अपने दैनिक जविन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाना होगा। बहुत जरूरी है कि ऐसे संवेदनशील मुद्दो पर मीडिया वर्ग, सिविल सोसाइटी, गैर सरकारी संस्थान इत्यादि विचार विमर्श करें और तीखे सवाल करें , जो आजकल नदारद सा है। शायद वो दौर खत्म सा हो गया है। यही उपयुक्त समय है कि केंद्र सरकार एवंम राज्य सरकारें इस दिशा में अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें और स्कूलों, शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा हो ताकि समाज में तर्कसंगत एवं वैज्ञानिक सोच विकसित हो सके और कड़े कानून बनाएं जाएं ताकि धार्मिक अंधविश्वास एवं पाखंड में लिप्त लोगों को न्यूनतम समय में कड़ी सजा मिले। तभी हम अपने देश में एक जागरूक समाज का निर्माण कर पाएंगे।

कई राज्य वायरस की गिरफ्त में

अजय प्रताप तिवारी

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है।

बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय–समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं।

जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016–17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गई। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड–19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है।

पिछले कुछ वषी में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड–19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता है, मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड–19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं।

देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात–निर्यात पर भी गहरा प्रभाव डालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है, काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैं, जिसका असर कोविड–19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर डालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु–पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है।भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह–जगह जल–भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति–निर्माण आवश्यक है।

जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर संक्रमण निवारण केंद्र बनाने की जरूरत है।

बजट निसंदेह मानव संसाधन और बुनियादी विकास पर विशेष ध्यान

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का 2024 का बजट कई मामलों में संतुलित माना जाएगा। नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में राजग सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद यह पहला बजट है। बजट में निसंदेह मानव संसाधन विकास और बुनियादी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।केंद्र सरकार वेतनभोगियों की उम्मीदों में वह खरी उतरीं। नई टैक्स व्यवस्था में अब स्टैंर्डड डिडक्शन पचास हजार से बढ़ाकर पिच्छत्तर हजार रुपए कर दिया। वेतनभोगियों को इनकम टैक्स में 17,500 रुपए तक की बचत होगी। वित्तमंत्री का कहना है कि इनकम टैक्स एक्ट की छह महीने में समीक्षा की जाएगी। कैपिटल गेन छूट की सीमा बढ़ा दी गई है।महिलाओं द्वारा खरीदी गई संपत्ति पर स्टॉम्प ड्यूटी कम करने के साथ ही चुनिंदा शहरों में साप्ताहिक हाट या स्ट्रीट फूड हब डेवलप करने की योजना भी है। सौ बड़े शहरों के लिए जलापूर्ति, सीवेज उपचार व ठोस अपशिष्ट परियोजनाओं की भी घोषणा की। देश में घरेलू क्रूज का परिचालन करने वाली विदेशी शिपिंग कंपनियों के लिए सरल कर व्यवस्था दी। सरकार ने स्पेस इकोनॉमी के लिए हजार करोड़ रुपए के वेंचर कैपिटल फंड स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा। सोने–चांदी पर कस्टम ड्यूटी घटाकर 6 फीसद व प्लैटनियम पर 6.5 फीसद का प्रस्ताव रखा। टीडीएस में देरी को अपराध से बाहर कर सीतारमण ने नौकरीपेशा को राहत दी है। केंद्रीय बजट में युवाओं के रोजगार के लिए 500 टॉप कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप मुहैया कराने के साथ ही पांच हजार रुपए महीने स्टाइपेंड देने की भी बात की।बजट के जरिये सियासी समीकरण दुरुस्त करने और विपक्षी धार को कुंद करने की रणनीति के तहत सरकार ने अपने अहम सहयोगी दलों जेडी (यू) व टीडीपी शासित राज्यों बिहार व आंध्र प्रदेश के लिए विशेष पैकेज दिया। हालांकि इस दिलदारी से बाकी राज्यों में सरकार के खिलाफ आवाज तेज होगी। खैर, जैसी उम्मीदें थीं, बजट वैसा नहीं रहा। विपक्ष का आरोप है कि बजट में गरीबों व आम लोगों के लिए कुछ नहीं है। साथ ही इसे राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित भी बताया। राहुल गांधी ने इसे कुर्सी बचाओ व कॉपी–पेस्ट बजट तक कह दिया। यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से स्थिर होने के बावजूद क्षेत्रीय असंतुलन गंभीर बना हुआ है। मगर तमाम चुनौतियों के बावजूद धन प्रबंधन करने में सीतारमण ने किसी को निराश नहीं होने देने की भरपूर कोशिश की है।

दर्दभरी प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं हिमेश रेशमिया, नई फिल्म जानम तेरी कसम का किया ऐलान

हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री के शानदार म्यूजिक डायरेक्टर, सिंगर और एक्टर हिमेश रेशमिया ने अपने 14 साल के फिल्मी करियर में अपनी 10वीं फिल्म का एलान किया है. हिमेश ने अपनी नई फिल्म जानम तेरी कसम का एलान अपने 51वें बर्थडे पर किया. बीती 23 जुलाई को हिमेश ने अपना 51वां बर्थडे मनाया था. वहीं, बीती रात पॉपुलर सिंगर ने फिल्म जानम तेरी कसम का एलान कर इसका एक पोस्टर और सॉन्ग टीजर भी छोड़ा है. इसके साथ ही हिमेश ने फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान किया है.

जानम तेरी कसम एक दर्दभरी लव स्टोरी फिल्म है, जिसमें फ्रेश पेयर नजर आने वाला है. इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू बनाने जा रहे हैं. यह फिल्म दशहरा 2025 के मौके पर रिलीज होगी. इस फिल्म को हिमेश रेशमिया ने प्रोड्यूस किया है. वहीं, हिमेश ने इसकी जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी है. हिमेश ने जानम तेरी कसम का टाइटल ट्रेक शेयर कर फैंस से इस पर रील बनाकर शेयर कर करने का अनुरोध किया है. वहीं, एक और पोस्ट में हिमेश ने अपने सिंगिंग के करियर के शुरुआत की एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, जिस दर्द में आराम है, इश्क उसी का नाम है, समीर जान ऑफिशियल, जानम तेरी कसम, जय माता दी लेट्स रॉक. इसके अलावा हिमेश ने खुद अपनी पत्नी सोनिया कपूर संग इस गाने पर रोमांटिक रील बनाकर शेयर की है.

मंडे टेस्ट में फेल होने के बाद बैड न्यूज ने दी गुडन्यूज

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी वर्क स्टारर रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म बैड न्यूज बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला हफ्ता कवर करने के करीब है. फिल्म बीती 19 जुलाई को रिलीज हुई है. फिल्म बैड न्यूज ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पांच दिन पूर कर लिए हैं. बैड न्यूज इन पांच दिनों में 35 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है. वहीं, मंडे टेस्ट में फेल होने के बाद बैड न्यूज की कमाई में पांचवें दिन हल्का उछाल देखा गया है.सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म बैडन्यूज ने पांचवें दिन कमाई में इजाफा किया है. बैडन्यूज ने चौथे दिन 3.75 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 4 करोड़ रुपये के करीब बिजनेस किया है. फिल्म का चार दिनों का कुल 34.37 करोड़ रुपये था. वहीं, सैकनिल्क के अनुसार फिल्म का पांच दिनों का कलेक्शन 36 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुका है.

आईपीएल 2024 में हुए रोहित–हार्दिक के कप्तानी विवाद पर बुमराह ने तोड़ी चुप्पी, बता दी अंदर की बात!

नईदिल्ली, आईपीएल 2024 के दौरान मुंबई इंडियंस की टीम कार्फी सुर्खियों में रही. इसकी वजह रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया जाना. हार्दिक को कप्तान बनाए जाने पर फैंस काफी गुस्से में थे. आईपीएल 2024 के दौरान फैंस ने हार्दिक की जमकर आलोचना की थी. अब इस विवाद को लेकर जसप्रीत बुमराह खुलासा किया है.

जसप्रीत बुमराह ने बताया कि टीम में सभी एक दूसरे को सपोर्ट कर रहे थे. हार्दिक पांड्या को भी टीम ने पूरा साथ दिया. नए कप्तान से टीम में मौजूद सभी लोग अच्छे से बात कर रहे थे. बुमराह ने यह भी कहा कि कुछ चीजें आपके कंट्रोल से बाहर होती हैं. बुमराह ने कहा, हम एक टीम के रूप में किसी व्यक्ति को पीछे नहीं छोड़ सकते. हम वहां एक दूसरे का साथ दे रहे थे. हम एक दूसरे की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं. मैंने हार्दिक के साथ बहुत क्रिकेट खेला है, लेकिन यह एक युवा खिलाड़ी हो सकता है. यह हम दुनिया के खिलाफ हैं. आप ज्यादा परिचय नहीं देना चाहते हैं. हम साथ थे और जरूरत पर उसकी मदद कर रहे थे.

बुमराह ने आगे कहा, हम एक टीम के रूप में किसी बी बात तो ज्यादा बढ़ावा नहीं देते. हम एक टीम के रूप में उसके साथ थे. हम उससे बात कर रहे थे. उसकी फैमली हमेशा वहां रहेगी. कुछ चीजें काबू से बाहर होती हैं. जब हमने वर्ल्ड कप जीता तो यह कहानी बदल गई.

भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता था. भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में हार्दिक पांड्या ने अहम योगदान दिया था. जिसके बाद हार्दिक को लेकर फैंस की भी सोच बदल गई थी. टी20 वर्ल्ड कप के बाद फैंस ने हार्दिक की जमकर तारीफ की और उनका स्वागत किया.

फिल्म घुड़चढ़ी का ट्रेलर रिलीज, रोमांस करते दिखे संजय दत्त और रवीना टंडन

संजय दत्त और रवीना टंडन की मच अवेटेड फिल्म घुड़चढ़ी का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। दर्शक इस फिल्म से जुड़े अपडेट्स जानने के लिए बेकरार रहते हैं। मेकर्स ने अब फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन के अलावा खुशाली कुमार और पार्थ समथान भी है। इसमें दो अलग–अलग जोड़ों – रवीना–संजय और खुशाली–पार्थ – की प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई ट्विस्ट एंड टर्न हैं। ट्रेलर में कॉमेडी, रोमांस और भरपूर ड्रामा है। इसकी शुरुआत पार्थ समथान–खुशाली कुमार की लव स्टोरी से होती है। पहले दोनों की मुलाकात होती है और फिर दोस्ती। इसके बाद दोनों को एक–दूसरे से प्यार हो जाता है और वे शादी करने का फैसला करते हैं। वहीं, दूसरे फ्रेम में पार्थ समथान के पिता के रोल में संजय दत्त अपने बचपन की दोस्त रवीना से प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। रवीना फिल्म में खुशाली की मां का रोल निभा रही हैं। जब पार्थ–खुशाली को पता चलता है कि उनके पेरेंट्स आपस में प्यार करते हैं और इस उम्र में शादी करना चाहते हैं, तो उन्हें जोरदार झटका लगता है और यहां से मन में सवाल उठता है कि घुड़चढ़ी किसकी होगी बाप की या बेटे की। संजय ने फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, किसकी फाइनली होगी घुड़चढ़ी? देखें 9 अगस्त से, स्ट्रीमिंग ऑन जियोसिनेमा। वहीं, फिल्म के बारे में प्रोड्यूसर निधि दत्ता ने कहा, हम घुड़चढ़ी का ट्रेलर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड हैं। यह फिल्म हमारे दिल के बहुत करीब है और हमें विश्वास है कि यह अपनी मजेदार कहानी, इमोशन और फैमिली मस्ती के चलते दर्शकों को पसंद आएगी। उन्होंने आगे कहा, कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री जादुई है, और हमें उम्मीद है कि दर्शकों को कहानी से उतना ही प्यार हो जाएगा जितना हमें तब हुआ जब संजय दत्त और रवीना को 90 के दशक का रोमांस करते हुए देखा!

न्यूजीलैंड के खिलाफ ओपनिंग मैच से पहले आत्मविश्वास से लबरेज़ हरमनप्रीत

पेरिस, पेरिस में भारतीय पुरुष हॉकी टीम लगातार दूसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। भारत 27 जुलाई को अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। यह मैच भारतीय समयानुसार रात 9 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपनी और टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया। न्यूजीलैंड के बारे में बात करते हुए, भारतीय कप्तान ने कहा कि भारत के लिए वो एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहे हैं और पिछले साल भुवनेश्वर में विश्व कप में उनके 3–3 (4–5 शूटआउट) परिणाम की यादें इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक मजबूत चुनौती को दर्शाती है। हरमनप्रीत ने कहा, हमने हमेशा न्यूजीलैंड को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा है और अपनी टीम ब्रीफ के दौरान इस पर विस्तार से चर्चा की है। उनके खिलाफ विश्व कप मैच की याद दिलाना अच्छा है,

श्रीलंका के खिलाफ खूब चलता है सूर्यकुमार यादव का बल्ला

नईदिल्ली, भारत और श्रीलंका के बीच खेली जानी वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज का 27 जुलाई से आगाज हो रहा है. इस सीरीज के साथ टीम इंडिया एक नए कप्तान और नए हेड कोच के साथ नए युग की शुरुआत करेगी. इस सीरीज में टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव संभालेंगे. जबकि हेड कोच गौतम गंभीर की ये पहली असाइनमेंट है.

अब श्रीलंका टीम इंडिया के नए कप्तान सूर्यकुमार यादव से डरी हुई है. उन्होंने इस टीम के खिलाफ भले ही अब तक 5 टी20 मैच खेले हैं, लेकिन रोहित शर्मा के महारिकॉर्ड के बेहद करीब आ चुके हैं.

पिछले साल 2023 में टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे पर सूर्यकुमार यादव भारत की तरफ से टी20 में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ दिया था. सूर्या ने सिर्फ 45 गेंद में शतक पूरा किया था. उन्होंने 51 गेंद में 112 रनों की नाबाद खेली थी. इस पारी के दौरान उन्होंने 7 चौके और 9 छक्के जड़े थे. सूर्यकुमार यादव श्रीलंका के खिलाफ 63.50 की औसत से बल्लेबाजी की है. 5 टी20 मैच में सूर्या ने कुल 254 रन बनाए हैं. टी20 में रोहित शर्मा श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं. उन्होंने 19 टी20 मैचों में 411 रन बनाए हैं. अब रोहित शर्मा टी20 को अलविदा कह चुके हैं. ऐसे में रोहित शर्मा को पीछा छोडऩे के लिए सूर्या के पास शानदार मौका है. सूर्या महज 157 रन बना देते हैं तो वह रोहित शर्मा को पीछे छोड़ देंगे और श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20 में रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे.

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह , खलील अहमद, मो. सिराज.

27 जुलाई– पहला टी20, पल्लेकेल
28 जुलाई– दूसरा टी20, पल्लेकेल
30 जुलाई– तीसरा टी20, पल्लेकेल

एक नजर

कोटद्वार में डेंगू कंट्रोल रूम स्थापित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देशों के क्रम में नगर निगम क्षेत्रांतर्गत डेंगू की रोकथाम एवं सुरक्षित उपाय हेतु राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में डेंगू कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

नगरवासी डेंगू से सम्बन्धित जानकारी, सुझाव या शिकायत किसी भी समय दर्ज करा सकते हैं।

जानकारी देते हुए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/ मुख्य नोडल अधिकारी, डेंगू कंट्रोल रूम कोटद्वार डॉ. एस.डी. बर्मन ने बताया कि नगर क्षेत्रांतर्गत निवासरत कोई भी नागरिक डेंगू से संबंधित कोई भी जानकारी, शिकायत या सुझाव कट्रोल रुम के मोबाईल नम्बर-8630687503 व वट्सऐप नम्बर-8630687503 या कन्ट्रोल रुम नगर निगम के मोबाईल नम्बर-7579476028, डेंगू कन्ट्रोल रूम ईमेल आइडी पर उपलब्ध करा सकते हैं।

गढ़वाल विवि में मनाया कारगिल विजय दिवस

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र एवं देवभूमि विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस दौरान केंद्र के समन्वयक प्रो. एमएम सेमवाल ने कारगिल विजय दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रो. सेमवाल ने कारगिल युद्ध से पहले के भारत पाक संबंधों, पूर्ववर्ती विभिन्न युद्धों, अंतरराष्ट्रीय संबंधों एवं कई अन्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध सिर्फ एक सैन्य संघर्ष नहीं था, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का प्रतीक था। इस संघर्ष में 527 भारतीय सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी और 1363 से अधिक घायल हुए। इन वीरों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्रता की हवा में सांस ले रहे हैं। कहा कि आज जब कारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं, हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सदैव अपने शहीदों के बलिदान को स्मरण करेंगे। इस मौके पर डॉ. मुकेश मैठाणी, डॉ. जसपाल सिंह चौहान, डॉ. रोहित महर, डॉ. प्रशांत आर्य, डॉ. आशीष बहुगुणा, डॉ. प्रकाश सिंह, डॉ. प्रश्ना मिश्रा और शोधार्थी और छात्र उपस्थित रहे। (एजेंसी)

विधायक ने किया शौर्य कुटिया का भूमि पूजन

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी की पहल पर कीर्तिनगर में शहीदों के सम्मान में शौर्य कुटिया का शुक्रवार को भूमि पूजन किया गया। इस मौके पर देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने शहीदों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि आज ही के दिन 26 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफल समाप्ति का ऐलान हुआ था। कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैन्य इतिहास का वह सुनहरा पन्ना है, जो हमें हमारे बहादुर जवानों के शौर्य, पराक्रम और बलिदान की याद दिलाता है। कहा कि कारगिल युद्ध में हमारी सेना के जांबाजों ने दुर्गम परिस्थितियों का सामना करते हुए जान की बाजी लगाकर दुश्मन को भगाया और हिमालय की ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराकर देश का सिर गर्व से ऊंचा किया। इस दौरान उन्होंने शौर्य कुटिया के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपये देने की घोषणा कि। कहा कि शौर्य कुटिया में कीर्तिनगर ब्लॉक के शहीदों का पूरा परिचय रहेगा। इस मौके पर उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर सोनिया पंत, तहसीलदार मानवेंद्र बर्त्वाल, भाजपा जिला मंत्री नरेंद्र कुंवर, भूतपूर्व सैनिक हिम्मत सिंह, मकान सिंह सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

विजय दिवस पर छात्रों ने रोपे पौधे

श्रीनगर गढ़वाल : कारगिल विजय दिवस पर गढ़वाल विवि के रक्षा स्ट्रेटेजिक एवं भू-राजनीतिक विभाग ने शुक्रवार को खिर्सू के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाख में शहीदों के याद में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस मौके पर रक्षा स्ट्रेटेजिक एवं भू-राजनीतिक विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आरसीएस कुंवर, प्रो. भारती चौहान, युवा मंगल दल के अध्यक्ष मनीष सिंह, ग्राम प्रधान जाख संजू गुसांई, भूतपूर्व सैनिक वीरेंद्र सिंह चौहान, डा. बीआर जायरा, डा. सुरेंद्र कुंवर, मोहित, सौरभ, सागर, प्रमोद कुमार सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

कभी भुलाया नहीं जा सकता वीर सैनिकों का बलिदान

वीर सैनिकों के स्वजनों को सम्मानित करती विस अध्यक्ष व अन्य

विभिन्न संस्थाओं व स्कलों की ओर से मनाया गया विजय दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि देश की रक्षा में दिए गए वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सीमा पर खड़े सैनिकों की बदौलत ही हम देश में स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने युवाओं को सेना में भर्ती होने के लिए भी प्रेरित किया। कहा कि सरकार भी वीर सैनिकों के स्वजनों की हर संभव मदद करने का प्रयास कर रही है। शुक्रवार को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय लैंसडौन की ओर से प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, कर्नल ओम प्रकाश और कर्नल अजय कुंवर ने संयुक्त रूप वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वीर सैनिकों के स्वजनों को भी सम्मानित किया गया। विस अध्यक्ष ने कहा कि सेना हमारे देश का गौरव है। कारगिल विजय दिवस के दिन हम उन सभी सैनिकों को याद कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने इस देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि आज एक घर से जब सैनिक बॉर्डर पर देश की सेवा के लिए निकलता है तो वह घर एक विश्वास के साथ उस मातृ शक्ति को छोड़ कर चला जाता है, जहां वह महिला उस सैनिक के माता-पिता, बच्चे व घर संभालती है। कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा हर शहीद परिवार के परिजनों को नौकरी देने का विश्वास दिलाया गया है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत, गजेंद्र मोहन धस्माना, हरि सिंह पुंडीर आदि मौजूद रहे।

चोरी की मोटर साइकिलों के साथ तीन गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कुछ दिन पूर्व नजीबाबाद रोड से चोरी की मोटर साइकिल की बरामदगी करती हुए पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक अन्य मोटर साइकिल भी बरामद हुई है। जो उन्होंने हरिद्वार से चोरी की थी।

24 जुलाई को नजीबाबाद रोड निवासी मनोज शर्मा की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि अज्ञात बदमाश घर के बाहर खड़ी उनकी मोटर साइकिल को चोरी कर ले गए हैं।

तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए। जिसमें दो युवक मोटर साइकिल चोरी करते हुए नजर आए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी की पकड़ में आए युवाओं की तलाश शुरू कर दी। बताया कि शुक्रवार को सूचना के बाद पुलिस टीम ने रेलवे फाटक रोड पर दिल्ली फार्म के समीप दो बाइकों से जा रहे तीन युवकों को दबोच लिया।

पुलिस हिरासत में बाइक चोर

इनमें से एक बाइक नजीबाबाद रोड से चोरी की गई थी, जबकि दूसरी बाइक हरिद्वार से चुराई गई थी। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दबोचे गए युवकों में उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर के अंतर्गत टांडा माईदास निवासी अक्षय, थाना मंडावली के अंतर्गत ग्राम सिकरौदा निवासी अंकित और जिला मुरादाबाद के अंतर्गत थाना ठाकुरद्वारा के फैजल गंज निवासी गजेंद्र कुमार शामिल हैं।

घंटी चोर गिरोह सक्रिय, मंदिरों से सौ से अधिक घंटिया चोरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। आये दिन चोरी की घटनाएं सामने आ रही है। बीरोंखाल ब्लॉक में मंदिरों से घंटी चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। चोरों ने दो दिन में मंदिरों से 100 से अधिक घंटियां चोरी की है, लेकिन पुलिस इन्हें अभी तक नहीं पकड़ पाई है। जिस कारण ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में पुलिस के प्रति आक्रोश व्याप्त है। बीरोंखाल क्षेत्र में घंटी चोर गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह मंदिरों से हजारों रुपये की घंटी चोरी कर रहा है। दो दिन में घंटी चोर गिरोह के सदस्यों ने आधा दर्जन मंदिरों को अपना निशाना बनाया हैं। लेकिन पुलिस इन्हें पकड़ने में नाकाम रही है। रिखाड़ प्रधान जसुली देवी, गुडिंडा प्रधान जितेन्द्र गुसाईं, शिव मंदिर अध्यक्ष रिखाड़ विनोद कुमार, प्रदीप गुसाईं आदि ने बताया कि गुरुवार देर रात को रिखाड़ शिव मंदिर, चोरखिंडा नागराज आदि मंदिरों से चोरों ने सौ से अधिक की घंटिया चोरी कर दी हैं। ग्रामीणों आरोप लगाया कि बाहरी प्रदेशों से यहां दरी, चादर, कंबल, चटाई, बर्तन आदि सामन बेचने आ रहे लोग ही ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहें हैं। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पुलिस द्वारा चोरों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो वह आंदोलन करने को मजबूर होगें। उधर थानाध्यक्ष थलीसैंण सुनील पंवार ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा मंदिरों से घंटी चोरी होने की सूचना मिल गई है। शीघ्र ही घंटी चोर गिरोह को पकड़ लिया जाएगा।

जन्म दिन पर किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजलि समागम समिति की ओर से अमन काला के जन्मदिन पर पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान समिति ने अन्य लोगों से भी अपने जन्मदिन पर पौधा रोपण करने की अपील की।

सदस्यों ने आकृति गौशाला शिवराजपुर में आम, अमरूद, आंवला सहित अन्य प्रजाति के पौधों का रोपण किया।

समिति के संस्थापक आरबी कंडवाल व आकृति गौ संरक्षण संस्था की अध्यक्ष सुषमा जखमोला ने आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कहा कि बिना पर्यावरण संरक्षण हम धरती पर जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। हमें अपने जन्मदिवस सहित अन्य शुभ कार्यों पर पौधा रोपण करते हुए उनके संरक्षण पर भी ध्यान देना चाहिए।

शशिभूषण अमोली को मिली डॉक्टरेट मानद उपाधि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बेहतर समाज सेवा व संस्कृति सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए शिक्षक शशिभूषण अमोली को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नावाजा गया है। यह उपाधि उन्हें प. दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ की ओर से दी गई।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्व विद्यालय झांसी के पूर्व कुलपति पद्मश्री डा. अरविंद कुमार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के रिसर्च साइंटिस्ट डा. स्वर्णलता पांचला, दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ के कुलपति डा. इंदु भूषण मिश्रा ने शिक्षक शशिभूषण अमोली ने डाक्ट्रेट की मानद उपाधि दी। सदस्यों ने कहा कि शशिभूषण अमोली गढ़वाल की संस्कृति व सभ्यता के साथ ही सामाजिक हितों को लेकर भी कार्य कर रहे हैं। कोरोना काल में भी वह लगातार जरूरतमंदों की मदद में जुटे हुए थे। समाज में गरीब बच्चों को

शिक्षक शशिभूषण अमोली को सम्मानित करते सदस्य

बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए भी वह प्रयास कर रहे हैं। अमोली को डाक्ट्रेट की उपाधि मिलने पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी खुशी व्यक्त की है। कहा कि पहाड़ के एक शिक्षक को उपाधि से नवाजा जाना गर्व की बात है।

शौर्य, वीरता व अदम्य साहस का प्रतीक है भारतीय सेना

महाविद्यालय में शहीदों को श्रद्धांजलि देते प्राचार्य व शिक्षक

राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में देश भक्ति पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विभिन्न सामाजिक संगठनों व स्कूलों की ओर से शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस दौरान लोगों ने वीर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए देश हित में कार्य करने का भी संकल्प लिया।

नवयुग पब्लिक स्कूल में विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने शहीदों की याद में पौधा रोपण अभियान भी चलाया। प्रधानाचार्य नीलम नेगी ने विद्यार्थियों को सेना के इतिहास के बारे में बताया। इस मौके पर विद्यालय के संस्थापक हुकम सिंह नेगी आदि मौजूद रहे। वहीं, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में 5/31 यूके बटालियन

विभिन्न सामाजिक संगठनों व स्कूलों की ओर से मनाया गया विजय दिवस

एनसीसी न कारगिल विजय दिवस पर कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी द्वारा कारगिल शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प चक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी गई। कहा कि देश कारगिल के वीरों को और कारगिल में हुए शहीदों को कभी भी नहीं भूल सकता है। इस मौके पर कैप्टन डा. बीसी शाह आदि मौजूद रहे। वहीं, जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कांग्रेस कार्यालय में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि कारगिल के युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने पाकिस्तान को मात दी थी। वीर सैनिकों के साहस व बलिदान को भारतीय सदैव याद रखेंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, रमेश चंद्र खंतवाल, प्रवेश रावत, रश्मि पटवाल, रंजना रावत, नीलम रावत आदि मौजूद रहे। विजय दिवस पर कौडिया काशीरामपुर गब्बर सिंह कैंप तिराहे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निवर्तमान पार्षद सुभाष पांडेय ने वीर शहीदों के योगदान को याद करते हुए युवाओं को सेना में भर्ती के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर नरेंद्र चौहान, विनय भाटिया, मनोज शर्मा, मंजू देवी, लता पांडेय, राजू रावत, पंकज नेगी आदि मौजूद रहे।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

शहीद दिवस पर राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों ने देश भक्ति पर मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्य व शिक्षक डा. पद्मेश बुड़ाकोटी ने बच्चों को सैना के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बच्चों को सेना में भर्ती होने के लिए भी प्रेरित किया।

प्रेमचंद्र की जयंती पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नवांकुर नाट्य समूह के द्वारा कालजयी साहित्यकार प्रेमचंद्र की जयंती सप्ताह पर शनिवार और रविवार को प्रेक्षागृह में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समूह के अध्यक्ष अशोक बौडाई ने बताया कि प्रयागराज की सांस्कृतिक टीम प्रस्तुति देंगी। बताया कि 27 जुलाई को हिंदी नाटक टैक्स फ्री व 28 जुलाई को प्रेमचंद्र के सपनों का भारत विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

(शुद्धि पत्र)

विषय: मुरादाबाद मंडल के संकेत एवम् दूरसंचार के टेंडर की निविदा के सम्बन्ध में।

संदर्भः– (1) इस कार्यालय का टेंडर नोटिस संख्या SNT-Sig-QSR-EI-Umbrella dated 16.07.2024

उक्त सन्दर्भ में मुरादाबाद मंडल की एस0 एंड टी0 शाखा के निम्न कार्य के लिए निविदा खोलने की तिथि में बदलाव किया गया है

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	निविदा खोलने के लिए पुरानी तिथि और समय	निविदा खोलने के लिए नयी तिथि और समय
1	2	3	4
1	**SNT-Sig-QSR-EI-Umbrella** प्रोविजन ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्लेस ऑफ़ मकनिकल सिगनलिंग एट QSR स्टेशन इन हरिद्वार – देहरादून सेक्शन ऑफ़ मुरादाबाद डिवीज़न	**14.08.2024 15:00 hrs**	19.08.2024 15:00 hrs.

निविदा की अन्य नियम व शर्तो में कोई बदलाव नहीं किया गया है। **नोटः**– निविदा के पूरा विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **Tender Notice- SNT-Sig-QSR-EI-Umbrella Date: 25.07.2024** **2280/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

नं. **75-W/2/3/WA/Publication** दिनांक : **25.07.2024**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	69-DRM-MB-24-25 25.07.2024	88-DRM-MB-24-25 25.07.2024	89-DRM-MB-24-25 25.07.2024
कार्य का नाम	Provision of Drinking Water Facility and Augmentation to existing facilities at various Level Crossings Over Moradabad Division under jurisdiction of Sr. DEN/III/MB.	Civil work in connection with Provision of RGM/Track machine Siding at BEG, RAC, TLH, MIL, PMR, RYS, BE, CBJ. RMU, BTO and NRS in the section of ADEN/SPN and ADEN/BE under Sr. DEN-III/MB	Laying of Track for RGM/ Track Machine siding at different stations BEG, RAC, TLH, MIL, PMR, RYS, BE, CBJ, RMU, BTO, NRS in the jurisdiction of Sr. DEN-III/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	20.08.2024 16:00	20.08.2024 16:00	20.08.2024 16:00
अनुमानित लागत	32,91,507.81	2,36,99,564.99	1,39,45,265.82
धरोहर राशि	65,800.00	2,68,500	2,19,700
बिडिंग स्टार्ट तिथि	06.08.2024	06.08.2024	06.08.2024
ऑफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	12 माह	08 माह

2281/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शहीद वीर जवानों को पुष्प चक्र व श्रद्धासुमन अर्पित कर दी श्रद्धांजलि, परिजनों को किया सम्मानित

विजय दिवस पर शहीद के परिजन को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद में कारगिल विजय दिवस को शौर्य दिवस में रूप मनाया गया। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर जनपद मुख्यालय के शहीद स्मारक एजेंसी चौक पौड़ी में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, जिलाधिकारी गढ़वाल डॉ. आशीष चौहान सहित अन्य अधिकारियों व पूर्व सैनिकों ने कारगिल युद्ध के शहीद वीर जवानों को पुष्प चक्र व श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम से पूर्व छात्र-छात्राओं द्वारा एजेंसी चौक से कलेक्ट्रेट तक प्रभात फेरी निकाली गई।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ने कारगिल युद्ध में हुए शहीद नायक मंगत सिंह के परिजन अमरदीप सिंह रावत व रा. मै. कुलदीप सिंह के परिजन अजीत रावत को सम्मानित किया। वहीं स्कूली छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत की शानदार प्रस्तुति दी गई। साथ ही अतिथियों द्वारा शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुई निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 1999 में मई से जुलाई के मध्य जम्मू कश्मीर के कारगिल जनपद में पाकिस्तानी सेना के घुसपैठियों एवं भारतीय सेना के बीच जंग हुई थी। जिसमें हमारी सेना ने अति विकट भौगोलिक परिस्थितियों में अभूतपूर्व शौर्य का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार भगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के घुसपैठिये बुरी नीयत लेकर नियंत्रण रेखा पार कर हमारे क्षेत्र में घुस आये थे। पाकिस्तानी सेना के घुसपैठिये को मुंह तोड़ जबाव देने और उन्हें मार भगाने के लिए हमारी सेना ने एक रणनीति बनाई जिसे ऑपरेशन विजय नाम दिया गया। मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा वीरता पुरस्कार के तहत परमवीर चक्र प्राप्त करने वालों को 30 लाख से 50 लाख, महावीर चक्र 20 से 35, वीर चक्र 15 से 25 व सेना मेडल गैलेंट्री में 7 से 15 लाख की धनराशि दी जा रही है। स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि भारतीय इतिहास में आज का दिन गौरवशाली दिन के रूप में अंकित है। कहा कि यह दिन हमारी विजय गाथा की याद दिलाता है। आज के दिन ही कारगिल के युद्ध में हमारे जांबाज वीर सैनिकों ने वीरता का परिचय देते हुए पाकिस्तान की सेना को हराकर टाइगर हिल को जीत कर तिरंगा फहराया था। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना की वीरता का एक ऐसा उदाहरण है जिस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व होना चाहिए। कहा कि शहीद सैनिकों व पूर्व सैनिकों को सरकार हर तरह का सहयोग कर रही है। इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर करण सिंह रावत, पूर्व सैनिक राजेंद्र सिंह राणा सहित अन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक, स्कूल के छात्र-छात्राएं व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम पंकज कुमार भट्ट है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम पंकज भट्ट पुत्र स्व. शशीधर भट्ट है, जो कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज है। भविष्य में मुझे पंकज भट्ट पुत्र स्व. शशीधर भट्ट के नाम से जाना व पहचाना जाये।

पंकज भट्ट पुत्र स्व. शशीधर भट्ट निवासी बालासौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0306/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस संख्या UK-1520210002405 में मेरा नाम यशवर्धन (YASHVARDHAN) पुत्र बीरेन्द्र कुमार बहुखण्डी (BIRENDRA KUMAR BAHUKHANDI) त्रुटिवश अंकित हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम यर्शवर्धन बहुखण्डी पुत्र (YASHVARDHAN BAHUKHANDI) बीरेन्द्र बहुखण्डी (BIRENDER BAHUKHANDI) है।

अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा सही व वास्तविक नाम यर्शवर्धन बहुखण्डी (YASHVARDHAN BAHUKHANDI) पुत्र बीरेन्द्र बहुखण्डी (BIRENDER BAHUKHANDI) अंकित कर ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत किया जाय।

यशवर्धन बहुखण्डी पुत्र बीरेन्द्र बहुखण्डी निवासी बहुखण्डी निवास गोविन्दनगर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0303/21)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 14.08.2024 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 13.08.2024 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
02/2024–25	रू0 1000/–	वि0वि0 उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंरधान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	45000.00
03/2024–25	रू0 1000/–	वि0वि0 उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	45000.00
04/2024–25	रू0 250/–	वि0वि0 उपखण्ड तृतीय, जयहरीखाल के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	10000.00
05/2024–25	रू0 250/–	वि0वि0 उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलना का कार्य।	8000.00
06/2024–25	रू0 500/–	वि0वि0 उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलना का कार्य।	22000.00
07/2024–25	रू0 250/–	वि0वि0 उपखण्ड तृतीय, जयहरीखाल के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलना का कार्य।	8000.00

पत्रांक : 1474/विविखको/टी–6

दिनांक : 26.07.2024

अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें

"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

एक नजर

निवेश के नाम पर युवती से 3.55 लाख रुपये ठगे

देहरादून। साइबर ठगों ने दून निवासी एक महिला से निवेश के नाम पर 3.55 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बसंतविहार थाना पुलिस के अनुसार रेनू निवासी इन्द्रानगर सीमाद्वार ने तहरीर दी कि आठ जुलाई को उन्होंने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा था। लिंक क्लिक करने के बाद उन्हें एक व्यक्ति का कॉल आया, जिसने खुद को कंपनी का कर्मचारी बताया। इसके बाद महिला को एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया। इसके बाद उन्हें कुछ टास्क दिए गए। टास्क पूरा करने के बाद आरोपियों ने उन्हें ट्रेडिंग का लालच दिया। महिला ने शुरुआत में बताए गए टास्क में 79,800 रुपये निवेश कर दिए। ऐसे में लालच देकर उनसे करीब 3.55 लाख रुपये ले लिए गए। जब महिला ने निवेश की गई रकम निकालने के प्रयास किया तो कंपनी के कर्मचारियों ने पहले दो लाख रुपये जमा करने के लिए कहा। इसपर महिला को साइबर ठगी का शक हो गया।

बांसुरी वादन ने किया मंत्रमुग्ध

देहरादून। स्पिक मैके की ओर से शुक्रवार को एमकेपी इंटर कालेज में पंडित अजय शंकर प्रसन्ना के बांसुरी वादन का कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें उनकी मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध किया। उनके साथ तबले पर उजित उदय कुमार भी उपस्थित रहे। पंडित अजय शंकर प्रसन्ना तीन बार ग्रैमी–नामांकित कलाकार और आकाशवाणी दूरदर्शन के शीर्ष–श्रेणी के कलाकार हैं। वह गायकी और तंत्रकारी दोनों शैलियों को कुशलता से बजाने वाले सबसे कम उम्र के एकमात्र बांसुरी वादक हैं। प्रस्तुति के दौरान उन्होंने कहा कि देहरादून में प्रस्तुति देना हमेशा ही एक सुखद अनुभव रहा है। इस शहर का जीवंत सांस्कृतिक माहौल और युवा दर्शकों का उत्साह इसे हर बार खास बना देता है।

वसंत विहार मंदिर रोड पर सड़क किनारे डंप हो रहा कूड़ा

देहरादून। वसंत विहार कालोनी में मंदिर रोड पर सड़क किनारे कूड़ा डंप हो रहा है। इससे स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बीमारी फैलने का डर सता रहा है।स्थानीय निवासी व साहित्यकार डॉली डबराल ने बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जब पॉश कालोनियों का यह हाल है तो अन्य इलाकों की क्या स्थिति होगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक तरफ देहरादून में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत सफाई मॉडल को बेहतर बनाने के लिए करोड़ों रुपये का बजट खर्च किया गया। बावजूद स्थिति सुधरने की बजाय बिगड़ती जा रही है। सफाई वाहनों की मॉनीटरिंग कर रही एक निजी कंपनी को नगर निगम हर माह सात से आठ लाख रुपये का भुगतान कर रहा है। बावजूद नियमित रूप से निर्धारित रूटों पर सफाई वाहन नहीं चल रहे, लोगों के घरों से कूड़ा नहीं उठ रहा। इससे मॉनीटरिंग प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं।

उत्तरांचल विवि में दी शहीदों को श्रद्धांजलि

देहरादून। उत्तरांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कारगिल विजय की 25वीं वर्षगाठ जोश और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विवि के अध्यक्ष डा. जितेंद्र जोशी ने शौर्य दीवार पर लगी शहीदों की तस्वीरों पर पुष्प चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि के साथ की। उन्होंने कहा कि देश के लिए सब कुछ न्यौछावर करने वालों में उत्तराखंड के नौजवान अगली पंक्ति में खड़े दिखते हैं।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, रेल कोच रेस्टोरेंट, बैटरी ऑपरेट व्हीकल एवं हेल्थ एटीएम की ओस्क के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ website www.ireps.gov.in पर दिनांक 09.08.2024 & 10.08.2024 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2290/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं	T-10-TRD-MB-24-25
कार्य का नाम	मुरादाबाद डिवीजन के गुलावठी/टी.एस.एस. पर 02 न. 132KV/25KV 21.6 MVA सिंगल फेज ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर की पीरियाडिक ओवरहालिंग (पी.ओए.च.) से सम्बंधित कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	19.08.2024, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 38,02,755.48/- (Including GST @%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 76,100/-
निविदाप्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	06 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. Elect/TRD/MB/2024-25/TN-08 दिनांक : 26.07.2024 2295/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों के परिजनों का किया सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : शौर्य एवं पराक्रम का उत्सव ''कारगिल विजय दिवस'' जनपद में हर्षोल्लास से मनाया गया। जिला पंचायत परिसर में मुख्य अतिथि विमला देवी धर्म पत्नी शहीद नायक कृपाल सिंह, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना समेत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल (से.नि.) सुबोध शुक्ल, अन्य अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने कारगिल शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। पुलिस एवं एनसीसी जवानों ने शहीदों को सलामी दी। ब्लॉक स्तरों पर भी शौर्य दिवस पर पौध रोपण सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कारगिल युद्ध में देश के 527 जाबांजों ने अपने सर्वोच्च बलिदान दिया। जिसमें उत्तराखंड राज्य के 75 और चमोली जनपद के 11 जवानों शामिल थे। शौर्य दिवस पर जिला पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कारगिल शहीद नायक कृपाल सिंह की पत्नी विमला देवी, शहीद राइफल मैन सतीश चन्द्र के पिता महेशा नंद, शहीद नायक दिलबर सिंह की भाभी संगीता देवी, शहीद हवलदार रणजीत सिंह के पुत्र वींरेंद्र सिंह, शहीद राइफल मैन अमित नेगी के चाचा बलवंत सिंह, शहीद नायक आनंद सिंह के भाई खुशाल सिंह को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। शौर्य दिवस पर अन्य वीर नारियों और उनके परिजन शांति राणा, कुसुम लता, शकुंतला देवी, कमला देवी, पार्वती देवी, जयंती देवी, कमला देवी, सरिता देवी और सुलोचना देवी को भी शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने देश के अमर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने सभी को सैनिकों के अदम्य साहस एवं शौर्य गाथाओं से प्रेरणा लेने की बात कही। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल (से.नि.) सुबोध शुक्ल ने कारगिल शहीदों के सम्मान में उनकी वीरगाथा एवं जीवनी पर प्रकाश डाला। कहा कि जम्मू कश्मीर के दुर्गम क्षेत्र कारगिल में पाकिस्तानी सेना के घुसपैठियों व सैनिकों को 26 जुलाई 1999 को भारतीय सैनिकों ने अपने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए मार भगाया। इस ऑपरेशन विजय में चमोली जनपद के 11 सैनिकों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

समारोह में स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। वही कारगिल दिवस की पूर्व संध्या पर संपन्न वॉलीबॉल प्रतियोगिता की विजेता जीआईसी 'ए' गोपेश्वर तथा उपविजेता गौचर टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक सैनिक कल्याण अधिकारी सुबेदार मेजर (से.नि.) कलम सिंह झिंक्वाण द्वारा किया गया।

जलाशयों से सिल्ट और मिट्टी का उठान होगा रायल्टी फ्री

देहरादून। उत्तराखण्ड के बौर, हरिपुरा, तुमारिया, नानकसागर जैसे जलाशयों में अत्यधिक सिल्ट जमाव की समस्या के समाधान, तथा इन जलाशयों में पर्यटन गतिविधियों एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की दिशा में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जलाशयों के डिसिल्टिंग (सिल्ट या मिट्टी उठान) को रॉयल्टी फ्री करने हेतु नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने इस सम्बन्ध में सिंचाई विभाग को सभी सम्बन्धित विभागों से अनापत्ति लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि यदि विभाग द्वारा बौर व हरिपुरा जलाशयों के सिल्ट का कर्मिशयल उपयोग नही किया जा रहा है तो इन जलाशयों के सिल्ट उठान को रॉयल्टी फ्री करने की नीति तैयार करने की दिशा में तत्काल कार्य आरम्भ किया जाए। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव ने सिंचाई विभाग को 15 दिन का समय देते हुए वन विभाग के साथ सयुंक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जलाशयों को पचास साल से भी अधिक का समय हो गया है ऐसी स्तिथि में जलाशयों की क्षमता निरंतर घटती जा रही है। जलाशयों में अत्यधिक सिल्ट आने से भविष्य में किसानों को सिंचाई के लिए पानी के अभाव और बाढ़ जैसे चुनौतियों के समाधान, जलाशयों में पर्यटन गतिविधियों एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए डिसीलटिंग जरूरी है।

सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उधमसिंह नगर के गदरपुर में बाबा डल मन्दिर से बौर जलाशय से गूलरभोज–कूल्हा तिलपुरी वन बैरियर तक सिंचाई विभाग के माध्यम से कंक्रीट सड़क निर्माण कार्या का वित्तीय अनुमोदन दिया।

डेंगू निरोधात्मक कार्यवाही की

देहरादून। डेंगू की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण एवं मॉनिटरिंग हेतु वार्ड वार जिलाधिकारी सोनिका ने अधिकारियों/कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है।

जनपद में जिला प्रशासन द्वारा डेंगू नियंत्रण हेतु महाअभियान चलाया जा रहा है नगर निगम देहरादून क्षेत्रांर्तगत प्रत्येक वार्ड में आशा फैसिलिटेटर, कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर, नगर निगम सैनिटरी सुपरवाइजर, डेंगू वालिंटियर द्वारा अपने–अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन 50 घरों में डेंगू निरोधात्मक कार्यवाही की जा रही है।

घर–घर सर्वे के दौरान लार्वा मिलने पर तुरंत नष्ट किया जा रहा है साथ ही लार्वी साइडल छिड़काव किया जा रहा है। नगर निगम की टीमों द्वारा समस्त वार्डों में फॉगिंग कार्य किया जा रहा है।

जिलाधिकारी द्वारा नगर निगम देहरादून व ऋषिकेश सहित समस्त नगर पालिका परिषदों नगर निकाय क्षेत्रों में तथा जिला पंचायत एवं जिला पंचायति राज विभाग के अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी डेंगू निरोधात्मक अभियान चलाने के निर्देश दिये गये है । साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शासकीय/निजी चिकित्सालयों में डेंगू उपचार हेतु बेड एवं दवाईयों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये गये है।

जिलाधिकारी ने समस्त जनमानस से अनुरोध किया है कि डेंगू से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या एवं शिकायत तथा चिकित्सकीय परामर्श के लिए टोल फ्री नंबर 1800 1802525 पर संपर्क किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने जनमानस से डेंगू के दृष्टिगत सतर्क रहते हुए अपने आसपास सफाई रखने तथा पानी जमा न होने देने का अनुरोध किया।

आरटीओ कर्मचारी न बहाल न हुए, तो 30 जुलाई से कार्य बहिष्कार

देहरादून। उत्तरांचल फैडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन ने चार धाम यात्रा रूट पर हुई सड़क दुर्घटना के लिए सिर्फ परिवहन विभाग के कर्मचारियों को ही दोषी ठहराने का विरोध किया। निलंबित कर्मचारियों को जल्द बहाल न किए जाने पर 30 जुलाई से पूर्ण कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी।एसोसिएशन अध्यक्ष पूर्णानंद नौटियाल और महामंत्री मुकेश बहुगुणा ने सचिव परिवहन आयुक्त को भेजे पत्र में कहा कि 15 जून को रुद्रप्रयाग में हुई सड़क दुर्घटना के लिए परिवहन विभाग के दो कर्मचारियों को निलंबित किया गया। दो कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जबकि जिस ओवरलोडिंग के लिए परिवहन विभाग को दोषी ठहराया गया। उसके लिए कई अन्य विभागों की भी जिम्मेदारी रही।

मास्टर प्लान के तहत होगा बद्रीनाथ में नई पेयजल परियोजना का निर्माण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ धाम में भविष्य की जरूरतों के हिसाब मास्टर प्लान के तहत प्रस्तावित नई पेयजल परियोजना को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जल संस्थान को निर्देशित किया कि नई पेयजल योजना के निर्माण हेतु पहले चरण की डीपीआर शीघ्र तैयार की जाए।

बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक हिल टाउन बनाने के लिए मास्टर प्लान के तहत काम चल रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। बद्रीनाथ धाम में आगामी 30 वर्षों की पेयजल आपूर्ति का आंकलन करते हुए जल संस्थान के माध्यम से नई पेयजल परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिलाधिकारी ने प्रस्तावित पेयजल योजना की समीक्षा करते हुए जल संस्थान के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बद्रीनाथ धाम में भविष्य में बनने वाले नए होटल, भवन और फ्लोटिंग पोपुलेशन का भी पूरा आंकलन करते हुए प्रस्ताव शामिल किया जाए। आईएनआई डिजाइन कंपनी से समन्वय करते हुए बद्रीनाथ मास्टर प्लान के साथ नई पेयजल योजना को इंटीग्रेट करें। सुनियोजित तरीके से पेयजल योजना के निर्माण हेतु पहले चरण की डीपीआर शीघ्र तैयार की जाए। सीवरेज सिस्टम के लिए भी जल निगम के साथ संयुक्त निरीक्षण कर रिपोर्ट उपलब्ध करें। जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि बद्रीनाथ धाम में नई पेयजल परियोजना निर्माण हेतु स्थानीय लोगों, मंदिर समिति, आर्मी, आईटीबीपी, विभागों सहित सभी स्टेकहोल्डर के सुझाव लिए गए है।

मदमहेश्वर यात्रा रूट पर फंसे 106 यात्रियों का सफल रेस्क्यू

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : भारी बारिश के कारण मदमहेश्वर मंदिर ट्रैक पर बनतोली गौंडार में मार्कण्डेय (मोरकंडा) नदी पर पैदल पुल बह जाने के कारण क्षेत्र से संपर्क बाधित हो गया था। जिलाधिकारी की निगरानी में हैली सेवाओं के माध्यम से मदमहेश्वर यात्रा रूट पर फंसे 106 यात्रियों का सफल रेस्क्यू किया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि गुरूवार देर रात्रि को हुई भारी बारिश के कारण मदमहेश्वर मंदिर ट्रैक पर बनतोली गौंडार में मार्कण्डेय (मोरकंडा) नदी पर पैदल पुल बह जाने के कारण क्षेत्र से संपर्क बाधित हो गया था। उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस तथा जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी घटना स्थल के लिए रवाना हुए। पूरे रेस्क्यू अभियान के दौरान जिलाधिकारी भी स्वयं मौके पर मौजूद रहे। जिलाधिकारी की निगरानी में

हैली सेवाओं के माध्यम से मदमहेश्वर यात्रा रूट पर फंसे 106 यात्रियों का सफल रेस्क्यू किया गया। यात्रियों का कहना था कि जिला प्रशासन एवं सरकार द्वारा यात्रियों के रेस्क्यू के लिए स्थानीय लोगों की मदद से अस्थाई हेलीपैड निर्माण से लेकर फूड पैकेट भी बेहद कम समय में सभी यात्रियों को उपलब्ध कराए गए। त्वरित गति से रेस्क्यू किए जाने हेतु तत्काल हेली सेवा के माध्यम से नानू हेलीपैड से रांसी हैलीपैड पहुंचाया गया। जिसके लिए उन्होंने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करने के लिए सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। रेस्क्यू अभियान में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, तहसीलदार ऊखीमठ प्रदीप नेगी, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, लोनिवि एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा यात्रियों का सफल रेस्क्यू किया गया।

बालगंगा नदी उफान पर, मकान, रास्ते व विद्युत लाईनें क्षतिग्रस्त

नई टिहरी : गुरुवार देर रात भिलंगना ब्लॉक के बालगंगा तहसील के बूढाकेदार क्षेत्र में हुई भारी बारिश से बालगंगा नदी में उफान पर आ गई। जिससे क्षेत्र में भवनों, कृषि भूमि, पैदल रास्तों के साथ ही विद्युत लाइनों और सिंचाई गुलों को नुकसान पहुंचा है। मौके पर पहुंची प्रशासन की टीम ने क्षति का आंकलन शुरु करते हुए लोगों को सतर्क रहने को कहा है। आपदा में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भारी बारिश से गुरुवार रात को बालगंगा नदी के जलस्तर में भारी बढ़ोतरी से बूढ़ाकेदार क्षेत्र में जमकर तबाही मची है। क्षेत्र के जखाना, तोली, गेन्वाली आदि क्षेत्र में रात को जमकर बारिश हुई। जिससे बालगंगा नदी का जलस्तर एकाएक बढ़ गया। देखते ही देखते तोली गांव में ग्रामीणों के खेत, पुल और संपर्क मार्ग नदी के पानी से क्षतिग्रस्त हो गए। रात करीब 12 बजे बूढ़ाकेदार में भी बालगंगा का रौद्र रूप देखने को मिला।

देवप्रयाग संगम बनेगा भव्य और सुरक्षित

नई टिहरी : देवप्रयाग संगम को भव्य और सुरक्षित रूप दिया जायेगा। जबकि उसके सामने स्थित प्राचीन टोडेश्वेर टापू में सौ फीट ऊंचे राष्ट्र ध्वज स्तम्भ और पार्क का निर्माण होगा। इसके लिए शासन से 98 लाख रुपये की स्वीकृति मिल गई है।

क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी ने बताया कि देवप्रयाग स्थित भागीरथी अलकनंदा संगम के क्षतिग्रस्त मुख्य स्नान घाट की मरम्मत के साथ ही यहां स्थित प्राचीन ब्रह्म और सूर्य कुंड, वशिष्ठ गुफा आदि को भव्य रूप दिया जायेगा। यहीं से भागीरथी, गंगा नाम से विश्व भर से जानी जाती है। वहीं संगम स्थित श्मशान स्थल में टीन शेड, रास्ता व नए घाट का निर्माण होगा। जबकि टोडेश्वर महादेव परिसर में सौ फीट का स्तम्भ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए बनाया जायेगा। साथ ही यहां घण्टाघर व पार्क का भी सौंदर्यीकरण किया जायेगा। विधायक कंडारी ने बताया कि राजमार्ग स्थित पौड़ी तिराहे पर ग्लास युक्त सेल्फी प्वाइंट भी बनेगा, जहां तीर्थयात्री और पर्यटक देवप्रयाग संगम के साथ सेल्फी ले सकेंगे। जबकि भागीरथी तट स्थित बेलेश्वेर घाट में रास्ते सहित नये श्मशान घाट का निर्माण किया जायेगा। (एजेंसी)

वर्तमान युग में बगैर कंप्यूटर के कार्य करना मुश्किल

नई टिहरी : प्रतापनगर ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज दीनगांव, जनता इंटर कॉलेज मांजफ और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय घोल्डाणी में छात्रों को तकनीकी और इंटरनेट का ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला ने राज्य वित्त योजना से कंप्यूटर और अन्य सामग्री दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में बगैर कंप्यूटर के कार्य करना मुश्किल है। ऐसे में क्षेत्र के स्कूलों में छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा का तकनीकी ज्ञान देने के लिए यह सामग्री दी है। मौके पर बीडीओ विजय प्रकाश चमोली, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी रजवंत रांगड, सिकंदर हयात, यशवीर सिह, कपिल जोशी, संदीप कलूड़ा मौजूद थे। (एजेंसी)

कारगिल युद्ध में वीर सपूतों ने दिया अदम्य साहस का परिचय

रुद्रप्रयाग : जनपद में कारगिल विजय शौर्य दिवस धूमधाम से मनाया गया। 6 ग्रेनेडियर्स के आर्मी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। आर्मी के जवानों द्वारा हवलदार जसविंदर सिंह के नेतृत्व में वीर शहीदों को सलामी दी गई। सैनिक कल्याण विभाग के सहयोग से 25 वीं वर्षगांठ कारगिल विजय दिवस आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी तथा विशिष्टि अतिथि मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती एवं अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा सहित पूर्व सैनिकों एवं शहीद सैनिकों के परिजनों ने शहीद वीर सैनिकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि भरत सिंह

चौधरी ने कहा कि आज का दिन गौरव का दिन है। हमें अपने वीर जवानों की वीरता पर गर्व है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल यूएस रावत ने कारगिल युद्ध के विषय में विस्तार से जानकारी दी। मौके पर सैनिक संगठन के पूर्व अध्यक्ष राय सिंह रावत, किशन सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, पुलिस उपाधीक्षक हर्षवर्धनी सुमन, आर्मी के मेजर निखिल, अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज के प्रभारी प्रधानाचार्य डीपी कोठारी, खंड विकास अधिकारी प्रवीन भट्ट, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े में 69 महिलाओं ने कराई नसबंदी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाडा' संपन्न हो गया है।

पखवाड़े के तहत 69 महिलाओं की नसबंदी की गई। इस दौरान 541 को अस्थाई सेवा विधि का दिया लाभ, 13073 कंडोम वितरित किए गए। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल सिंह गुसाईं ने बताया कि गत 11 जुलाई से शुरू हुए विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े के तहत 69 महिलाओं की नसबंदी की गई, सभी 69 महिलाओं की नसबंदी ऑपरेशन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में सर्जन डॉ. वैभव विशाल सिंह व उनकी टीम द्वारा किए गए। इसके अतिरिक्त 541 लाभार्थियों को

परिवार नियोजन की अस्थाई विधि सेवा का लाभ दिया गया, जिसमें 461 का माला एन, 70 को छाया/अंतरा व 10 को कॉपर-टी परिवार नियोजन साधन का लाभ दिया गया। जबकि 13073 कंडोम का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि पखवाड़ा अवधि के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा लड़की की शादी 18 साल की उम्र के बाद करने, दो बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने व बच्चों में अंतर रखने के लिए गर्भ निरोधक साधनों का उपयोग करने के लिए विशेष रूप से जागरूक किया गया। साथ ही यह जानकारी भी दी गई कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन के साधन पुरुष नसबंदी कराने पर रुपए 2000 की, महिला नसबंदी कराने पर रूपए 1400 व गर्भ निरोधक उपाय पीपीआईयूसीडी अपनाने पर रुपए 300 व प्रसव के बाद 7 दिन के भीतर नसबंदी अपनाने पर रूपए 2200 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत तीनों ब्लाक व जिला चिकित्सालय में नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

समस्याओं का निस्तारण नहीं होने पर भड़के जनप्रतिनिधि

नई टिहरी : टिहरी बांध प्रभावित क्षेत्रों की ज्वलंत समस्याओं का निस्तारण नहीं होने पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने रोष प्रकट करते हुए पुनर्वास निदेशक डीएम मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बीते दिनों उक्त समस्याओं को लेकर जल समाधि की घोषणा करने वाले राज्य आंदोलनकारी बलदेव सिंह कुमाईं के मांग पत्र पर भी कार्रवाई करने को कहा।शुक्रवार को जिला पंचायत सदस्य जयवीर सिंह रावत, राज्यांदोलनकारी बलदेव कुमाईं के नेतृत्व में थौलधार ब्लॉक क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने डीएम/पुनर्वास निदेशक को समस्याएं बताईं। उन्होंने टीएचडीसी के सीएसआर मद का पैसा प्रभावित क्षेत्रों में खर्च करने, प्रो. हनुमंत राव कमेटी की सिफारिशें लागू करने, स्यांसू, खांड, चिन्यालीसौड़ में बोटिंग प्वाइंट बनाने, बांध बनने के बाद प्रभावित परिवारों की परिसंपत्तियों का दोबरा सर्वे, झील के चारों ओर तारबाड़, छाम-बैल्डोगी मोटर पुल, ग्रेवांश सेल के लंबित मामलों का निस्तारण, पनचक्कियों का भुगतान, डोबन में नहर और झील में स्थानीय लोगों को चुगान की अनुममि देने की मांग की।

अलकनंदा नदी में डूबा पांच गांवों को जोड़ने वाला पुल

रुद्रप्रयाग : जनपद के पांच गांवों को जोड़ने वाला पैदल पुल अलकनंदा नदी के बढ़ते जल स्तर में डूब गया है, जिस कारण ग्रामीण कल से अपने घरों में फंस गए। ग्रामीणों का आवाजाही का एक मात्र साधन यही पुल है। छात्रा सुबह स्कूल नहीं जा पाए। ग्रामीण नदी किनारे पानी कम होने का इंतजार किया। फिलहाल जनपद के कोटली, बांसी, मोलदा, सेरा आदि गांवों का संपर्क कट गया है। (एजेंसी)

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com